राजनीतिक

- **क्या महाराष्ट्र के नए नियम शासन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करेंगे या मुख्यमंत्री कार्यालय की सत्ता मजबूत होने के साथ ही गठबंधन में तनाव पैदा करेंगे?**

महाराष्ट्र के 2026 के कार्य नियम, जो पांच दशक पुराने 1975 के प्रशासनिक ढांचे की जगह लेते हैं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को कार्यकारी शक्तियों का व्यापक विस्तार प्रदान करते हैं। इन नए संशोधित नियमों के तहत, मुख्यमंत्री को जनहित में किसी भी विभागीय मंत्री द्वारा लिए गए निर्णयों को रद्द करने का स्पष्ट अधिकार प्राप्त है, बशर्ते इसके अंतर्निहित कारणों को लिखित रूप में औपचारिक रूप से दर्ज किया गया हो। वीटो शक्तियों के अलावा, अद्यतन ढांचा मुख्यमंत्री के परिचालन दायरे को व्यापक रूप से बढ़ाता है, जिससे मुख्यमंत्री विभागीय मामलों में सीधे हस्तक्षेप कर सकते हैं, आधिकारिक फाइलें मंगवा सकते हैं और महत्वपूर्ण मुद्दों को मंत्रिमंडल के विचारार्थ भेज सकते हैं। साथ ही, मुख्य सचिव और वित्त विभाग की संस्थागत भूमिकाओं को काफी मजबूत किया गया है, जिससे राज्य प्रशासन में सख्त वित्तीय और प्रशासनिक निगरानी लागू होती है। इस बदलाव ने राज्य के नौकरशाहों के बीच व्यापक अटकलों को जन्म दिया है, जिनमें से कई इस नियामक अद्यतन को मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा कार्यकारी प्रभुत्व को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति के रूप में देख रहे हैं। क्या यह केंद्रीकरण निर्बाध दक्षता की ओर ले जाएगा या राजनीतिक गठबंधनों पर दबाव डालेगा, यह महाराष्ट्र के राजनीतिक भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण प्रश्न बना हुआ है।

- **राजनीतिक दलों ने अभी तक एफसीआरए विधेयक के लिए जेपीसी के सदस्यों के नाम नामित नहीं किए**

एफसीआरए विधेयक पेश करते समय सरकार ने लोकसभा में घोषणा की थी कि इस विधेयक को गहन चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है कि अध्यक्ष ने विभिन्न राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर समिति के लिए अपने सांसदों के नाम भेजने का अनुरोध किया है। सूत्रों के अनुसार, अधिकांश दलों ने अभी तक अपने प्रतिनिधियों के नाम नामित नहीं किए हैं। इसे विलंब की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

- **चरणजीत सिंह चन्नी की अकादमिक यात्रा : भारतीय राजनीति में एक नया आदर्श**

चरणजीत सिंह चन्नी का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक के बजाय परीक्षा को प्राथमिकता देने का निर्णय भारतीय राजनीति में एक अनोखा लेकिन ताजगी भरा रचनात्मक आयाम प्रस्तुत करता है। ऐसे माहौल में जहां सार्वजनिक हस्तियां पार्टी की छवि, रणनीति बैठकों और जनसभाओं को सर्वोपरि मानती हैं, राजनीतिक दृश्यता के बजाय कक्षा में गहन अध्ययन को चुनना एक अपरंपरागत दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। पार्टी की अहम कार्यवाही में अनुपस्थित रहना भले ही राजनीतिक रणनीतिकारों के बीच संदेह पैदा करे, लेकिन लोक प्रशासन और लोक नीति सुधारों में उच्च शिक्षा प्राप्त करना एक विशिष्ट प्रकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आधुनिक शासन में तकनीकी ज्ञान, नीतिगत समझ और सुनियोजित निर्णय लेने की क्षमता की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के सामान्य छात्रों के साथ औपचारिक शैक्षणिक मूल्यांकन में भाग लेकर एक वरिष्ठ नेता यह संकेत देता है कि केवल राजनीतिक अनुभव ही गहन विशेषज्ञता प्राप्त करने में बाधक नहीं है। उच्च शिक्षा के साथ यह निरंतर जुड़ाव लोक सेवा को केवल अधिकार प्रयोग के बजाय एक विकसित होते अनुशासन के रूप में पुनर्परिभाषित करता है।

प्रशासनिक

- **विक्रम देव दत्त पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग के सचिव भी हैं**

भारतीय न्यायधीश विक्रम देव दत्त (एजीएमयूटी: 1993), सचिव, कोयला मंत्रालय, आईएएस नीरज मित्तल की अवकाश अवधि के दौरान 23 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

- **11 तृतीय अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों (IIIT) के अध्यक्षों को 24 फरवरी, 2027 तक छह महीने का विस्तार मिला**

भारत के राष्ट्रपति, जो भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs) के विजिटर भी हैं, ने 11 IIITs के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के कार्यकाल में छह महीने के विस्तार के प्रस्ताव को 25 अगस्त, 2026 से 24 फरवरी, 2027 तक प्रभावी रूप से मंजूरी दे दी है। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के जिन अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ाया गया है, उनमें दीपक घैसास, अध्यक्ष, IIITDM जबलपुर, डॉ. सुखी ओरांव, IIIT (PPP) सेनापति, बोलिनेनी राजगोपाल नायडू, आईएएस (सेवानिवृत्त), IIIT (PPP) रायचूर, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कंसम हिमालय सिंह, IIIT (PPP), अगरतला, श्रीमती कविता खन्ना, IIIT (PPP) सोनीपत, अशोक खाडे, IIIT (PPP) भागलपुर, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री अनिल भट्ट, IIIT (PPP) कोटा, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) विय्यलक्ष्मी देशमाने, IIIT (PPP) कोट्टायम, विशाद माफतलाल, IIIT (PPP) लखनऊ, अनिल कुंबले, IIIT (PPP) तिरुचिरापल्ली और सत्यब्रत डे, IIIT (PPP) गुवाहाटी शामिल हैं।

- **एनएमडीसी ने रेलवे अधिकारी अनुराग कपिल की सेवाएं अपने अधीन ले ली हैं।**

भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) अधिकारी अनुराग कपिल को 31 मार्च, 2026 से एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के रूप में तत्काल रूप से शामिल कर लिया गया है।

- **गृह मंत्रालय के वरिष्ठ स्तर के आंदोलन**

गृह मंत्रालय (MHA) की मौजूदा परिपत्र सूची में प्रवीण कुमार राय, IDAS (2003), संयुक्त सचिव, MHA की कार्यभारमुक्ति दर्ज है; यह आदेश मौजूदा अधिसूचना चक्र में प्रकाशित किया गया था।

- **आईटीएस अधिकारी ने डीओटी मुख्यालय में कार्यभार संभाला**

पूर्वोत्तर एलएसए से तबादला होने के बाद अतुल कुमार सिंह ने डीओटी मुख्यालय में कार्यभार संभाला है। वह एसएजी स्तर के आईटीएस अधिकारी हैं।

- **GSTAT को संयुक्त रजिस्ट्रार के रूप में IRS अधिकारी की नियुक्ति मिली**

कन्नव शर्मा को प्रतिनियुक्ति के आधार पर तीन वर्ष की अवधि के लिए जम्मू स्थित जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में संयुक्त रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है। वे 2015 बैच के आईआरएस (सी एंड आईटी) अधिकारी हैं।

- **सेवानिवृत्ति के 15 वर्षों के बाद पदोन्नति मिली**

सीबीआईसी ने एस. मनोहरन को सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष सहायक आयुक्त के पद पर तदर्थ पदोन्नति प्रदान की है, जो सांकेतिक रूप से 10.12.2002 से प्रभावी है। कार्यालय आदेश के अनुसार उनकी जन्मतिथि 02.09.1951 है। आदेश में आगे कहा गया है कि यह तदर्थ पदोन्नति सीएटी, उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित अन्य सभी मामलों के अधीन होगी।

चीनी की कमी नहीं, जमाखोरी पर सख्ती के निर्देश

योगी के आदेश के बाद कई जिलों में छापेमारी, स्टॉक की जांच तेज

डीलर 30 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे

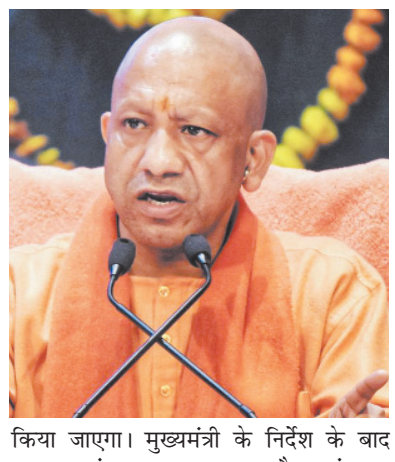

नईदुनिया ब्यूरो, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को चीनी की उपलब्धता और कीमतों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चीनी की कोई कमी नहीं है और लोगों को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने बताया कि चीनी मिलों में 179.38 लाख क्विंटल का स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को चीनी मिलों और दुकानदारों के गोदामों की जांच करने तथा जमाखोरी, कालाबाजारी और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीलर 30 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे, जबकि हर महीने 10 हजार किलोग्राम या उससे अधिक चीनी की खपत करने वाले बड़े दुकानदार 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। एक समय में 400 टन से अधिक चीनी रखने की अनुमति भी नहीं होगी। जरूरत पड़ने पर 15 अक्टूबर से चीनी मिलों का संचालन शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बागपत, संभल, मुजफ्फरनगर और बुलंदशहर में अधिकारियों ने चीनी के गोदामों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की जांच शुरू कर दी। बागपत में एसडीएम दिग्विजय सिंह और सीओ सुकन्या शर्मा ने चीनी गोदाम पर छापा मारकर स्टॉक का मिलान किया। जांच में स्टॉक नियमानुसार पाया गया। संभल में रजपुरा क्षेत्र की तीन फर्मों की जांच की गई। अधिकारियों के अनुसार चीनी की उपलब्धता और स्टॉक की जांच का अभियान रोजाना चलाया जाएगा। मुजफ्फरनगर में खाद्य एवं पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने नवीन मंडी में चीनी व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर स्टॉक की मात्रा और खरीद-बिक्री से संबंधित जानकारी की जांच की।

बुलंदशहर में एसडीएम सदर अंगद यादव के नेतृत्व में थोक विक्रेताओं के यहां स्टॉक की जांच की गई। शुरुआती जांच में ज्यादातर स्थानों पर स्टॉक रिकॉर्ड के अनुसार मिला। बरेली में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अधिकारियों और चीनी स्टॉकिस्टों के साथ बैठक कर बाजार की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में पर्याप्त स्टॉक है। तय सीमा से अधिक चीनी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारों के दौरान अधिक कीमत वसूलने पर भी सख्ती के निर्देश दिए गए हैं। नोएडा में भी तहसील और क्षेत्रवार टीमें गठित कर लगातार जांच के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदेश में हर महीने करीब चार लाख टन चीनी की खपत होती है।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब,

घाटों पर एनडीआरएफ और जल पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ते हुए चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गया है। शनिवार सुबह 10 बजे राजघाट स्थित केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के गेज स्थल पर गंगा का जलस्तर 69.17 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर करीब एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। सीडब्ल्यूसी के अनुसार वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर है। ऐसे में अगले कुछ घंटों में जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार कर सकता है। गंगा में खतरे का निशान 71.262 मीटर और उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) 73.901 मीटर है।

पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। बढ़ते पानी ने घाटों को अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया है और तटवर्ती क्षेत्रों की गलियों तथा निचली बस्तियों तक पानी पहुंचने लगा है। अस्सी घाट पर होने वाला 'सुबह-ए-बनारस' कार्यक्रम का मंच भी जलमग्न हो गया है। गंगा का पानी प्राचीन शीतलाघाट स्थित माता शीतला मंदिर के गर्भगृह को डुबोते हुए उपर पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने के बाद मंदिर के पुजारी ने माता शीतला की चल प्रतिमा को अहिल्याबाई घाट स्थित अहिलेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी है। बाढ़ के कारण घाटों की रौनक फीकी पड़ गई है और तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

घाटों पर नाव संचालन पर रोक, एनडीआरएफ और जल पुलिस की पेट्रोलिंग : बाढ़ की स्थिति को देखते हुए वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट और एनडीआरएफ की टीमें ड्रोन कैमरों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रही हैं। दशाश्वमेध जल पुलिस चौकी के प्रभारी सुधीर त्रिपाठी के अनुसार, घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ और लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गंगा में नाव संचालन पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी गई है।

प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में जटिल ऑपरेशन से किडनी से निकालीं 37 पथरियां

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के यूरोलॉजी विभाग के चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति में पहुंचे 40 वर्षीय मरीज की बाईं किडनी का जटिल ऑपरेशन कर एक साथ 37 पथरियां निकालकर उसे नई उम्मीद दी है। यह जटिल शल्य प्रक्रिया शुक्रवार को एसआरएन अस्पताल के पीएमएसएसवाई यूरोलॉजी ऑपरेशन थिएटर में की गई। मरीज की दोनों किडनी में बड़ी पथरियां थीं और संक्रमण के कारण उसकी स्थिति गंभीर हो गई थी। यह जानकारी देते हुए शनिवार को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रो. डॉ. दिलीप चौरसिया ने बताया कि यह बेहद जटिल आपरेशन था।

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के सह आचार्य डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश के रीवा जिले के पनासी गांव निवासी शत्रुघ्न करीब एक वर्ष से दोनों किडनी में पथरी की समस्या से परेशान था। परिजनों के अनुसार वह पथरी के उपचार के लिए आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाएं ले रहा था। करीब एक माह पहले उसे तेज बुखार और सांस लेने में परेशानी होने लगी। हालत बिगड़ने पर उसे स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे गंभीर संक्रमण यानी सेप्सिस और किडनी फेल्योर की स्थिति में पाया।

मरीज को आईसीयू में भर्ती कर वेंटिलेटर पर रखा गया। तीन दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट के दौरान उसका हेमोडायलिसिस भी किया गया। हालत में कुछ सुधार होने के बाद उसे नियमित डायलिसिस पर रखा गया। जांच में दोनों किडनी में 4.5 से 6 सेंटीमीटर तक की बड़ी पथरियां मिलीं। ऑपरेशन के समय मरीज का सीरम क्रिएटिनिन 4.2 था।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए यूरोलॉजी टीम ने पहले बाईं किडनी का ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। 21 अगस्त को एनाट्रॉफिक पायलोलिथोटॉमी की गई। इस प्रक्रिया के दौरान किडनी को नियंत्रित तरीके से खोलकर एक-एक कर सभी 37 पथरियां बाहर निकाली गईं। इसके बाद किडनी की मरम्मत की गई और 5/26 डबल-जे (डीजे) स्टेंट डाला गया।

बारिश में तालाब बनी सेगनपुर की सड़क कई गांवों के ग्रामीण परेशान

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, औरैया: उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल तहसील क्षेत्र बारिश के बाद सेगनपुर से अयाना, धनऊपुर, कुंअरदेपुर, अड्डा, कैसईपुर, भोतापुर समेत कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क पर जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बारिश का पानी जमा होने से राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह तालाब जैसी नजर आ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी निकल नहीं पा रहा है। कई दिनों तक पानी जमा रहने से सड़क पर आवागमन प्रभावित हो रहा है। सबसे अधिक परेशानी पैदल राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। पानी के नीचे सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देने से हादसे की आशंका भी बनी हुई है। यह मार्ग सेगनपुर के साथ अयाना, धनऊपुर और कुंअरदेपुर समेत आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रामीण इसी रास्ते से बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। जलभराव के कारण लोगों को कई बार घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में हर साल जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। इससे ग्रामीणों में जिम्मेदार विभाग के प्रति नाराजगी है। ग्राम प्रधान इमरान खान ने बताया कि स्टेट हाईवे बनने के दौरान पानी की निकासी के लिए जरूरी पुलिया नहीं बनाई गई, जिसके कारण बारिश का पानी सड़क पर जमा हो रहा है। फिलहाल जल निकासी का कोई स्थायी समाधान नहीं है।

जन औषधि केंद्र में मिलीं 19 पेटी प्राइवेट दवाएं, जांच अधिकारी ने किया सील

नईदुनिया ब्यूरो, मीरजापुर : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ परिसर में संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में शनिवार को जांच के दौरान 19 पेटी प्राइवेट दवाएं बरामद हुईं। जन औषधि केंद्र के अलावा सीएचसी की पुरानी बिल्डिंग के एक कमरे में भी दवाओं का भंडारण मिला।

जांच अधिकारी ने बरामद दवाओं को सील कर दिया और केंद्र संचालक के खिलाफ कार्रवाई के लिए जांच रिपोर्ट उप जिलाधिकारी को भेजी है। राजगढ़ थाना क्षेत्र के भीटी गांव निवासी रूपक दुबे ने उप जिलाधिकारी मड़िहान को प्रार्थना पत्र देकर जन औषधि केंद्र की जांच कराने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि जन औषधि केंद्र पर मरीजों को जन औषधि की जगह बाहर की प्राइवेट दवाएं महंगे दामों पर बेची जा रही हैं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने जांच के निर्देश दिए। शनिवार शाम करीब पांच बजे नायब तहसीलदार राहुल मिश्रा ने सीएचसी परिसर स्थित जन औषधि केंद्र का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान केंद्र में प्राइवेट दवाएं मिलीं। इसके बाद केंद्र से सटी सीएचसी की पुरानी बिल्डिंग के कमरे की भी जांच की गई। कमरे में भारी मात्रा में बाहर की दवाएं भंडारित मिलीं। पूछताछ में जन औषधि केंद्र संचालक राहुल सिंह ने केंद्र पर प्राइवेट दवाएं रखने और बेचने की बात स्वीकार की। पुरानी बिल्डिंग में रखी दवाओं की जिम्मेदारी भी संचालक ने ली। इसके बाद जांच अधिकारी ने बरामद 19 पेटी दवाओं को कमरे में रखवाकर सील कर दिया।

नायब तहसीलदार राहुल मिश्र ने बताया कि जांच में जन औषधि केंद्र पर ऐसी 19 पेटी दवाएं मिली हैं, जिनकी बिक्री जन औषधि केंद्र पर वर्जित है। दवाओं को सील कर दिया गया है और केंद्र संचालक के खिलाफ कार्रवाई के लिए जांच आख्या एसडीएम को भेज दी गई है।

धर्म नगरी काशी में सजा ओडिशा का रंग, यूपी-ओडिशा पर्यटन रिश्तों को नई उड़ान

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी (काशी) में इन दिनों ओडिशा की संस्कृति, कला, खानपान और पर्यटन की खूबसूरत झलक देखने को मिल रही है। 22 से 24 अगस्त तक बड़ालालपुर स्थित पं. दीनदयाल हस्तकला संकुल में आयोजित 'ओडिशा परब' उत्तर प्रदेश और ओडिशा की दो समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के मिलन का मंच बना है। शनिवार को कार्यक्रम में शामिल उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि ओडिशा परब महज तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि दोनों राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि काशी और पुरी, अयोध्या और कोणार्क जैसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र दोनों राज्यों की साझा विरासत और पर्यटन संभावनाओं को दर्शाते हैं। उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिकता, विरासत, लोक संस्कृति और खानपान तथा ओडिशा की समुद्री विरासत, हस्तशिल्प और हथकरघा एक-दूसरे के पूरक हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ठाकुर केशवदेव महाराज विराजे कालीघटा में

नईदुनिया ब्यूरो, मथुरा: श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर श्रावण मास की प्रतिपदा से आरंभ हुई विभिन्न घटाओं के क्रम में शनिवार की सायं श्रीकृष्ण जन्मस्थान प्रांगण में स्थित ठाकुर श्रीकेशवदेव जी मंदिर में सुप्रसिद्ध काली घटा का भव्य आयोजन किया गया।

श्रीकेशवदेव मंदिर के अन्दर सजी कालीघटा की मनोहारी झाँकी ने भक्तों का मन-मोहा, तथा जन्मस्थान प्रांगण का माहौल उत्साहजनक बना दिया। सुप्रसिद्ध कालीघटा के मध्य विराजे ठाकुर श्रीकेशवदेवजी महाराज के श्रीविग्रह की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु भक्त आतुर दिखाई दिये। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की इस सुप्रसिद्ध कालीघटा के आयोजन में श्रीकेशवदेव मंदिर के संपूर्ण परिसर को श्याम वस्त्र, लता-पता, पुष्प एवं प्राकृतिक वृक्षावली से अच्छादित किया गया था। इस वर्ष कालीघटा के निर्माण में अधिकतम प्राकृतिक वस्तुओं का प्रयोग किया गया। श्रीकेशवदेव मंदिर एवं प्रवेशद्वार पर भव्य सज्जा कर कालीघटा के दृश्य का निर्माण किया गया। चित्ताकर्षक कालीघटा के चलते भक्तों ने अपलक ठाकुर श्रीकेशवदेव जी महाराज को निहारकर अपने आपको धन्य किया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान की सुप्रसिद्ध कालीघटा को देखने के लिए भक्तों की कतारें जन्मस्थान परिसर में एवं प्रवेश द्वारों पर देखी गयीं। यह सिलसिला सायं 4 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि में मंदिर के पट बंद होने तक अनवरत चलता रहा। सुप्रसिद्ध कालीघटा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में विराजमान श्रीकेशवदेव मंदिर में प्रवेश करते ही चमकती-कड़कती बिजली, गरजते बरसते मेघ, उपवन में नृत्य करते मोर की आवाज, चहचहाते पक्षियों के मध्य उपवन की सज्जा में विराजे ठाकुर श्रीकेशवदेव जी के मनोहारी दर्शन कर स्थानीय भक्तों के साथ-साथ देश-विदेश से पधारने वाले श्रद्धालुओं ने भी अक्षुण्ण पुण्य लाभ प्राप्त किया।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार के लिए मुरादाबाद रेल मंडल की व्यापक तैयारियां

नईदुनिया ब्यूरो, मुरादाबाद : श्रावण मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर हरिद्वार एवं ऋषिकेश सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की संभावित बढ़ती भीड़ तथा यात्री आवागमन में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं सुगम रेल आवागमन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के निर्देशन में मंडल के विभिन्न विभागों द्वारा आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है। हरिद्वार, ज्वालापुर, रुड़की एवं योगनगरी ऋषिकेश सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ की गई हैं। यात्रियों को उचित प्लेटफॉर्म, ट्रेन एवं गंतव्य की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

पर्याप्त बल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए त्थ् के अधिकारियों एवं बल सदस्यों की छुट्टियां अस्थायी रूप से बंद रखी गई हैं, ताकि आवश्यकता के अनुरूप प्रभावी तैनाती की जा सके। हरिद्वार एवं योगनगरी रिषिकेश रेलवे स्टेशनों पर मेडिकल हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, मुरादाबाद मंडल तथा सिविल डिफेंस, मुरादाबाद मंडल की टीमें हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों एवं भक्तों की सहायता में सक्रिय हैं।

आपका राशिफल 23 अगस्त

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक 6 7 9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर भे जा जी खी जू जे खो गा गी

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक 4 6 8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8